

बिहार गजट

असाधारण अंक बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

9 आषाढ़ 1938 (श0)

(सं० पटना ५४३) पटना, वृहस्पतिवार, ३० जून २०१६

सं0 2 / सी0— 3—3046 / 2005—सा0प्र0—**5038** सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प 1 अप्रील 2015

श्री अबरार अहमद कमर, बि0प्र0से0, कोटि क्रमांक—269/11, तत्कालीन उप विकास आयुक्त—सह— मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, जिला परिषद, सिवान सम्प्रति अपर समाहर्त्ता, मधेपुरा के विरूद्ध बिहार विधान सभा के माननीय सदस्यों एवं तत्कालीन माननीय मंत्री, परिवहन, सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग द्वारा प्रतिवेदित मनरेगा मद एवं जिला ग्रामीण विकास अभिकरण से संबंधित विभिन्न योजनाओं के लिए प्राप्त राशि को जिला अभियंता की मिली भगत से गबन करने के गंभीर आरोपों की जाँच करने का निदेश विभागीय पत्रांक 10081 दिनांक 06.09.2011 द्वारा निगरानी विभाग, बिहार, पटना से किया गया। निगरानी विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 1822 दिनांक 15.04.2013 द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन में श्री कमर को जिला स्तर पर 10: योजनाओं के निरीक्षण/पर्यवेक्षण में कमी के लिए उत्तरदायी माना गया। उक्त आरोपों के लिए गठित आरोप—पत्र प्रपत्र 'क' के आधार पर विभागीय संकल्प ज्ञापांक 11382 दिनांक 19.08.2014 द्वारा श्री कमर के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी तथा आयुक्त, सारण प्रमंडल, छपरा को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

श्री कमर द्वारा संचालन पदाधिकारी के समक्ष समर्पित अपने स्पष्टीकरण दिनांक 31.08.2014 में कहा गया कि निगरानी विभाग के पत्र में जिन पंद्रह योजनाओं की जाँच रिपोर्ट का उल्लेख है उसमें से दस योजनाओं का कार्यान्वयन उनके उप विकास आयुक्त—सह—मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, सिवान के पद पर पदस्थापन काल में नहीं किया गया है। इनके पदस्थापन काल से संबंधित पाँच योजनाओं की तकनीकी स्वीकृति श्री धनंजय मिण तिवारी, जिला अभियंता, जिला परिषद, सिवान के द्वारा दी गयी तथा उक्त तकनीकी स्वीकृति के आधार पर प्रशासनिक स्वीकृति इनके द्वारा दी गयी। इनके द्वारा यह भी कहा गया है कि स्टाफ एवं पदाधिकारियों की कमी डी0आर0डी0ए0, सिवान में रहने के बावजूद इनके द्वारा अपने कर्त्तत्यों का निर्वहन् काफी परिश्रम एवं इमानदारी से किया गया तथा कार्यालय का निरीक्षण भी किया गया। साथ ही इनका यह भी कहना है कि इनके द्वारा पूर्व की 174 योजनाओं की समीक्षा एवं पर्यवेक्षण किया गया तथा सरकार के हित में पूर्व की 93 अपूर्ण योजनाओं को बन्द कर दिया गया तथा जिला परिषद के माध्यम से अपने कार्यकाल में इन्होंने मनरेगा मद की एक भी नयी योजना का कार्यान्वयन नहीं कराया। निगरानी विभाग के निदेश पर इन्होंने डी0आर0डी0ए0, सिवान के पत्रांक 347 दिनांक 29.10.2011 द्वारा वांछित कागजात भेज दिया। उक्त आधार पर इनका कहना है कि निगरानी दल को जाँच कार्य में सहयोग नहीं करने तथा निरीक्षण / पर्यवेक्षण का अभाव संबंधी प्रतिवेदन न्यायोचित नहीं है।

आयुक्त—सह—संचालन पदाधिकारी, सारण प्रमंडल, सारण के पत्रांक 291 दिनांक 30.01.2015 द्वारा प्राप्त जाँच प्रतिवेदन में श्री कमर के विरूद्ध प्रतिवेदित आरोप को अप्रमाणित प्रतिवेदित किया गया है।

आरोप पत्र, श्री कमर के स्पष्टीकरण एवं संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन की समीक्षा के उपरांत पाया गया कि श्री कमर के द्वारा तकनीकी परीक्षक कोषांग के द्वारा गठित जाँच दल को जाँच में अपेक्षित सहयोग दिया गया है। इनके विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप पूर्णतः प्रशासनिक प्रकृति के हैं, जिन्हें विभागीय कार्यवाही में संचालन पदाधिकारी के द्वारा प्रमाणित नहीं पाया गया है।

उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आधार पर अनुशासनिक प्राधिकार के द्वारा श्री अबरार अहमद कमर, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक—269 / 11, तत्कालीन उप विकास आयुक्त—सह—मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, जिला परिषद, सिवान के विरूद्ध विभागीय संकल्प ज्ञापांक—11382 दिनांक 19.08.2014 द्वारा संचालित विभागीय कार्यवाही को समाप्त करने का निर्णय लिया गया।

अनुशासनिक प्राधिकार के निर्णयानुसार श्री अबरार अहमद कमर, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक—269 / 11, तत्कालीन उप विकास आयुक्त—सह—मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, जिला परिषद, सिवान सम्प्रति अपर समाहर्त्ता, मधेपुरा के विरूद्ध विभागीय संकल्प ज्ञापांक—11382 दिनांक 19.08.2014 द्वारा संचालित विभागीय कार्यवाही को समाप्त किया जाता है।

आदेश :—आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधितों को भेज0 दी जाय।

> बिहार-राज्यपाल के आदेश से, अनिल कुमार, सरकार के अपर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित। बिहार गजट (असाधारण) 543-571+10-डी0टी0पी0।

Website: http://egazette.bih.nic.in